भारतीय शिक्षा बोर्ड

मॉड्यूल प्रश्न पत्र - Ist Term

हिंदी - कक्षा 7

सत्र: 2025-26

निर्धारित समय : 1 घंटा **अधिकतम अंक : 20**

निर्देश:

- प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- प्रश्न पत्र को पढ़ने के लिए अतिरिक्त **10** मिनट का समय दिया जाएगा। इस दौरान छात्र केवल प्रश्न पत्र पढ़ेंगे।
- इस प्रश्न पत्र में कुल तीन खंड हैं।
- **खंड क** में 1 प्रश्न है, जिसकी प्रश्न संख्या 1 है, प्रश्न संख्या 1 में 5 उप प्रश्न हैं, प्रत्येक उप प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित किया गया है।
- **खंड ख** में कुल 5 प्रश्न है, जिनकी प्रश्न संख्या 2 से 6 तक है, प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित किया गया है।
- **खंड ग** में 2 प्रश्न हैं, जिनकी प्रश्न संख्या 7 एवं 8 है, प्रश्न संख्या 7 के लिए 4 अंक निर्धारित किये गये हैं एवं प्रश्न संख्या 8 के लिए 6 अंक निर्धारित किये गये हैं।

खंड-क (अपठित गद्यांश)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

आज की भागती दौड़ती जिन्दगी से मुस्कुराहट तो न जाने कहाँ खो गई है| कुछ दशक पहले तक तो लोग एक-दूसरे को देखते ही एक सुंदर-सी मुस्कुराहट के साथ अभिवादन करते थे, किन्तु आज दशा यह है कि किसी पहचान वाले को देखते ही व्यस्तता का मुखौटा लगाकर अभिवादन की प्रक्रिया से स्वयं को बचाकर सुरक्षित निकलना ही बहादुरी का कार्य समझते हैं| जबकि मुस्कुराहट एक ऐसी औषधि है जो मनुष्य को बिना किसी दाम के मिली है, यह उसके शारीरिक एवं मानसिक रोगों का उपचार करने में पूर्णतः सक्षम है| जो व्यक्ति मुस्कुराकर दिन की शुरुआत करता है वह निश्चय ही सारे दिन ऊर्जावान रहता है, वह बिना किसी तनाव के सारे कार्य कुशलता से पूर्ण कर पुनः अगले दिन के लिए नए कार्यों को पूरा करने की कुशल रणनीति बना, निश्चिन्त हो सो जाता है| पुनः नई ऊर्जा, नए विश्वास के साथ दिन का शुभारम्भ करता है और सफलता प्राप्त करता है| ऐसे व्यक्ति का सानिध्य सभी लोग चाहते हैं, उसकी एक छोटी सी मुस्कुराहट के कारण ज्यादा से ज्यादा लोग उसके समीप आने का प्रयास करते हैं| ठीक इसके विपरीत अनायास ही खीजने वाले व्यक्ति से हर कोई दूरी बनाना पसंद करता है, हर कोई उससे बचना चाहता है| पुरानी कहावत है कि प्रसन्न वदन के दर्शन मात्र से ही समस्त कार्य पूर्ण हो जाते हैं| सचमुच मुस्कराहट अनमोल होती है एक छोटी-सी मुस्कुराहट से बड़े-बड़े कार्य सहजता से सम्पन्न हो जाते हैं| अब तो आप समझ ही गए होंगे कि एक छोटी-सी मुस्कुराहट कितने काम की है|

(i) उपर्युक्त गद्यांश में जीवन की किस अनमोल औषधि के बारे में बताया गया है ?

(क) व्यायाम (ख) शरीर और मन (ग) परिवार (घ) मुस्कुराहट

(ii) सच्ची मुसकान का दूसरों पर कैसा प्रभाव पड़ता है ?

(क) समस्त कार्य अधूरे रहते हैं (ख) सानिध्य नहीं मिलता

(ग) सब समीप सब आना चाहेंगे (घ) उससे खीझने लगेंगे

(iii) 'मुस्कुराहट' किसका काम करती है?

(क) औषधि का (ख) विष का

(ग) मनोरंजन का (घ) घृणा का

(iv) एक सुकून भरी नींद के लिए सर्वाधिक आवश्यक क्या है ?

(क) बिना किसी तनाव के काम करना (ख) नई ऊर्जा के साथ दिन का आरंभ करना

(ग) दिनभर प्रसन्नचित बने रहना (घ) कुशल रणनीति से दैनिक कार्यों को सफ़ल बनाना

(v) 'बिना प्रयत्न के' अर्थ का बोध कराने वाला शब्द है -

(क) अनायास (ग) सानिध्य

(ख) सहजता (घ) ऊर्जावान

खंड-ख (व्याकरण)

प्रश्न 2. निम्नलिखित शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए -

(i) घोड़ा-

प्रश्न 3. निम्नलिखित शब्द में उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए -

(i) विचित्र-

प्रश्न 4. निम्नलिखित शब्द में प्रत्यय और मूल शब्द अलग कीजिए -

(i) अधीरता-

प्रश्न 5. दिए गए शब्द का विलोम शब्द लिखिए -

(i) प्रशंसा-

प्रश्न 6. दिए गए वाक्य में से संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए -

(i) खड्गसिंह एक प्रसिद्ध डाकू था|

खंड-ग (पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

अरुण यह मधुमय देश हमारा।
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा ।।
सरल तामरस गर्भ विभा पर, नाच रही तरुशिखा मनोहर ।
छिटका जीवन हरियाली पर, मंगल कुंकुम सारा ।।
लघु सुरधनु से पंख पसारे, शीतल मलय समीर सहारे।
उड़ते खग जिस ओर मुँह किए, समझ नीड़ निज प्यारा ।।
बरसाती आँखों के बादल, बनते जहाँ भरे करुणा जल।
लहरें टकरातीं अनंत की, पाकर जहाँ किनारा ।।
हेम-कुंभ ले उषा सवेरे, भरती ढुलकाती सुख मेरे।
मंदिर ऊँघते रहते जब, जगकर रजनी भर तारा ।।

(i) प्रस्तुत कविता के रचयिता का नाम लिखिए ।

(ii) कवि ने भारत को मधुमय देश की संज्ञा क्यों दी है?

(iii) कविता में (अरुण) सूर्य का वर्णन किस संदर्भ में किया गया है?

(iv) भारत देश में व्याप्त मानवता वादी दृष्टिकोण को अपने शब्दों में सिद्ध कीजिए ।

प्रश्न 8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 30-35 शब्दों में लिखिए -

(i) हार की जीत कहानी के माध्यम से लेखक हमें क्या संदेश देना चाहता है?

(ii) प्राण के बिना सभी इंद्रियाँ महत्त्वहीन हैं। इसका कारण समझाकर उत्तर लिखिए।

(iii) जीवन में हर छोटी वस्तु का अपना एक अलग महत्त्व होता है, उसे निम्नतर नहीं समझना चाहिए - कविता के आधार पर इस तथ्य को स्पष्ट कीजिए।